

2 **सर्वकारेण सर्वोच्चन्यायालये न्यायाधीशानां संख्या ३३ तः वर्धयित्वा ३७ कृता**

3 **५१ नगरीय-निकायेषु १३९४ प्रत्याशिनः निर्वाचन-क्षेत्रे, ३२ नामाङ्कनानि निरस्तानि**

4 **तमिलनाडु-राज्ये 'टी.वी.के.' (TVK) पक्षस्य सर्वकार-निर्माणस्य सज्जता; विजयः सप्तम-दिनाङ्के मुख्यमन्त्रीरूपेण शपथं ग्रहीष्यति**

विधानसभा-निर्वाचनस्य परिणामानां घोषणानन्तरं पश्चिमबङ्ग, तमिलनाडु, केरलम-प्रदेशेषु च सर्वकारस्य निर्माणार्थं राजनैतिकक्रियाकलापानि आरभन्ते



नवनिर्वाचिताः टी. वी. केति दलस्य विधायकाः चेन्नई-नगरस्य समीपे पनायूरु दलस्य मुख्यालये उपवेशने श्रीविजयाय औपचारिकरूपेण स्वनेतारूपेण चितवन्तः। पूर्वमुख्यमन्त्री एम. के. स्टालिन् इत्येषः राज्यपालाय स्व त्यागपत्रं समर्पितवान्।

केरल-राज्ये काङ्ग्रेस-नेतृत्वे यू.डी.एफ. दलसमूहः सर्वकार-निर्माणाय अनौपचारिक-चर्चा कुर्वन् अस्ति।

केरल-राज्ये काङ्ग्रेस-नेतृत्वे यू.डी.एफ. दलसमूहः सर्वकार-निर्माणाय अनौपचारिक-चर्चा कुर्वन् अस्ति। केरलस्य चत्वारिंशदधिकैकशत विधानसभा क्षेत्रेषु द्वादधिकैकशत-क्षेत्रेषु अद्भुतं विजयं प्राप्य काङ्ग्रेस-नेतृत्वे यू.डी.एफ. दलसमूहः विधायक-दलस्य सभायाः अनन्तरं मन्त्रिमण्डलस्य निर्माणार्थं राज्यपालेन सह मेलनं करिष्यति।

केन्द्रीयमन्त्री च अमितशाहः पश्चिमबङ्गालराज्ये केन्द्रीयमन्त्री जे.पी. नड्डाः असम-राज्ये च पर्यवेक्षकः नियुक्तः

हिमसंस्कृतवार्ता। भाजपेति दलेन दलस्य वरिष्ठनेता केन्द्रीयमन्त्री च अमितशाहः पश्चिमबङ्गालराज्ये विधायकानाम् उपवेशने विधायकदलप्रमुखस्य निर्वाचनाय केन्द्रीय-पर्यवेक्षकरूपेण नियुक्तः। ओडिशाराज्यस्य मुख्यमन्त्री मोहनचरण माझी राज्यस्य केन्द्रीयसह-पर्यवेक्षकरूपेण नियुक्तः अस्ति। केन्द्रीयमन्त्री जे.पी. नड्डाः असम-राज्ये विधायक दलस्य नेतृत्व-निर्वाचनाय केन्द्रीय पर्यवेक्षकरूपेण नियुक्तः अस्ति। हरियाणा-राज्यस्य मुख्यमन्त्री नाथब सिद्धू सैनी राज्यस्य केन्द्रीय-सह-पर्यवेक्षकरूपेण नियुक्तः अस्ति। एतानि नामानि भाजपा-संसदीय-केन्द्रीय-पर्यवेक्षक-मण्डलेन अनुमोदितानि सन्ति।

विधानसभानिर्वाचनानां परिणामानां घोषणायाः अनन्तरं तमिलनाडु-केरलम-राज्ययोः सर्वकारस्य निर्माणार्थं राजनैतिक-प्रक्रियाः आरब्धाः सन्ति। तमिलनाडु-राज्ये अभिनेतृत्तः राजनेतारूपेण परिवर्तितः सी. जोसेफ विजयस्य तमिलगा-वेट्टी-कङ्गाम् (टी. वी. के.) इत्यनेन दलेन अष्टोत्तरैकशतासनानि जित्वा राज्ये बृहत्तमदलत्वेन उद्भूतम् अस्ति। दलस्य निर्वाचने प्रबलप्रदर्शनस्य अनन्तरं,

बिहारराज्ये मई मासस्य सप्तमे दिनाङ्के महत्त्वपूर्णः विस्तारः भविष्यति



मुख्यमन्त्री सम्राट् चौधरी इत्यस्य नेतृत्वे बिहारराज्यस्य मन्त्रिमण्डलस्य मई मासस्य सप्तमे दिनाङ्के महत्त्वपूर्णः विस्तारः भविष्यति। भाजपेतिदलस्य राज्य-अध्यक्षः सञ्जय सरावगीः अवदत् यत् शपथग्रहणसमारोहे प्रधानमन्त्री नरेन्द्रमोदी, केन्द्रीय-गृहमन्त्री अमितशाहः, भाजपा-पक्षस्य अध्यक्षः नितिन नवीनः, जनता दल-यू-पक्षस्य अध्यक्षः नितीशकुमारः, एन्.डी.ए-दलसमूहस्य अन्ये वरिष्ठनेतारोऽपि उपस्थिताः भविष्यन्ति। श्रीसरावगी अवदत् यत् गान्धी-मैदान इतीदं स्थानं समारोहस्य स्थलरूपेण चितम् अस्ति। कार्यक्रमस्य सज्जता पूर्वमेव प्रचलिता अस्ति। सहैव गान्धी-मैदान इत्यत्र सार्वजनिकप्रवेशः प्रतिबन्धितः अस्ति।

नरेन्द्रमोदिना यू.ए.ई.-देशस्य पुजैराहू-क्षेत्रोपरि कृताक्रमणस्य दृढतया निन्दा कृता

हिमसंस्कृतवार्ता। प्रधानमन्त्रिणा नरेन्द्रमोदिना यू.ए.ई.-देशस्य पुजैराहू-क्षेत्रोपरि कृताक्रमणस्य दृढतया निन्दा कृता। सामाजिक-प्रसार माध्यमे श्रीमोदी अवदत् यत् नागरिकाणां मूलसौकर्याणि लक्ष्यीकृत्य कृताक्रमणात्मकं कार्यम् अस्वीकार्यम् इति। सः दृढीकृतवान् यत् भारतं यू.ए.ई. इत्यनेन सह दृढतया ऐक्यं स्थापयति सहैव हि संवादस्य कूटनीतेश्च माध्यमेन सर्वासं समस्यानां शान्तियुतसमाधानाय स्वसमर्थनं पुनरुद्घाटयतीति। श्रीमोदी अधोरेखितवान् यत् होर्मुज-जलसंध्याः माध्यमेन सुरक्षितं निर्विघ्नं च नौचालनं, क्षेत्रीयशान्तिर्यथ, स्थिरतायै, वैश्विक-ऊर्जा-सुरक्षायै च महत्त्वपूर्णम् अस्ति।



ईरान्-देशस्य झोन-आक्रमणानन्तरं यू.ए.ई. देशस्य पुजैराहू-पेट्रोलियम-इण्डस्ट्रीस्-जोन् इत्यत्र अग्निप्रकोपात् हाः त्रयः भारतीयः नागरिकाः व्रणिताः अभवन्। पूर्वं विदेशमन्त्रालयः अपि यू.ए.ई. इत्यत्र आक्रमणस्य निन्दाम् अकरोत्, तत् अस्वीकार्यञ्च इति अवोचत्। मन्त्रालयः एकस्मिन् वक्तव्ये शत्रुतायाः तत्क्षणसमाप्तेः आवाहनम् अकरोत्, नागरिकसंरचनायाः नाशेन सह निष्पापनागरिकाणाञ्च लक्ष्यीकरणस्य निन्दाम् अकरोत्।

हिमसंस्कृतवार्ता। भाजपेति दलस्य सांसदाः राघव चड्ढा, अशोक मित्तलः, सन्दीप पाठकः, राजेन्द्रगुप्तः च राष्ट्रपतिभवने राष्ट्रपतिना द्रौपदी मुर्मु वर्यया सह मिलित्वा पञ्जाब-राज्ये आप-नेतृत्वे प्रशासनेन राज्यतन्त्रस्य कथितस्य दुरुपयोगस्य विषये चिन्तां प्रकटितवन्तः। वार्ताहरैः सह वार्तालापं कुर्वन्, राघव चड्ढा इत्यनेन आप-नेतृत्वे पञ्जाब-सर्वकारः राज्यतन्त्रस्य उपयोगेन राज्यसभायाः सदस्यान् लक्ष्यीकरोति इति आरोपितवान्। अत्रान्तरे, पञ्जाब-राज्यस्य मुख्यमन्त्री भगवन्त-मान इत्येषः अपि आप-दलस्य राज्यसभायाः सप्तसदस्यानां भाजपेति दले प्रवेश-विषये चर्चां राष्ट्रपतिना द्रौपदी-मुर्मु वर्यया सह मिलितवान्। उपवेशनानन्तरम्, श्रीमानः आप-दलस्य सांसदानां विलयनम् असंवैधानिकम् इति उक्तवान्।



सुभाषितम्

पञ्चमेऽहनि षष्ठे वा,
शाकं पचते स्वे गृहे।
अनृणी चाऽप्रवासी च,
स वारिचर मोदते।।

भावार्थः- जिस व्यक्ति के घर में यद्दिने प्रत्येक पांचवे या छठे दिन (निर्धनता के कारण) केवल शाक ही भोजन के रूप में पकता हो, परन्तु उसके ऊपर यदि कोई ऋण न हो तथा न वह परदेस में निवास करता हो तो ऐसा व्यक्ति जल में निवास करने वाले प्राणियों के समान संतुष्ट और प्रसन्न रहता है।

हिमसंस्कृतवार्ताः

हिमसंस्कृतवार्तापत्रस्य एकवर्षस्य सदस्यता

१०० ₹

One year subscription to the daily Sanskrit newspaper is Only 100 Rupees
To subscribe, text us a message saying hello on the number below.

7876636263

सूचना- हिमसंस्कृतवार्ताः दैनिकपत्रे व्याकरणात्मक-अशुद्धीनां कृते, राजनैतिक-सांस्कृतिकविचारणाञ्च कृते सम्बद्धाः पत्रकाराः लेखकाश्च उत्तरदायिनः भविष्यन्ति

कार्यालयः

हिमसंस्कृतम्, प्रकाशनम्

जसवंत कोटवा महशोलपरिसरस्य समुचे कम्बा कोटवा जिला कांगड़ा हि. प्र. पञ्जाबवाहसरसङ्केता-१७७१११
सङ्केतः-प्रबन्धनविशिका-शिवानी शर्मा हिमसंस्कृतम्

पञ्जाब-राज्ये आप-नेतृत्वे प्रशासनेन राज्यतन्त्रस्य कथितस्य दुरुपयोगस्य विषये सांसदः राघव चड्ढा राष्ट्रपतिना सह अमिलत्

केन्द्रीयमन्त्रिमण्डलेन 'कपास कान्ति' अनियानम् अन्याः महत्त्वपूर्णयोजनाश्च स्वीकृताः

Mission for Cotton Product

- India is the world's second largest cotton producer with:
- About 32 Lakh cotton farmers in the country
- Domestic demand expected to increase to 450 Lakh bales
- Capturing improved Mission for Cotton Productivity (Kapa)
- 2019-20
- 2020-21
- 2021-22
- 2022-23
- 2023-24
- 2024-25
- 2025-26
- 2026-27
- 2027-28
- 2028-29
- 2029-30
- 2030-31
- 2031-32
- 2032-33
- 2033-34
- 2034-35
- 2035-36
- 2036-37
- 2037-38
- 2038-39
- 2039-40
- 2040-41
- 2041-42
- 2042-43
- 2043-44
- 2044-45
- 2045-46
- 2046-47
- 2047-48
- 2048-49
- 2049-50
- 2050-51
- 2051-52
- 2052-53
- 2053-54
- 2054-55
- 2055-56
- 2056-57
- 2057-58
- 2058-59
- 2059-60
- 2060-61
- 2061-62
- 2062-63
- 2063-64
- 2064-65
- 2065-66
- 2066-67
- 2067-68
- 2068-69
- 2069-70
- 2070-71
- 2071-72
- 2072-73
- 2073-74
- 2074-75
- 2075-76
- 2076-77
- 2077-78
- 2078-79
- 2079-80
- 2080-81
- 2081-82
- 2082-83
- 2083-84
- 2084-85
- 2085-86
- 2086-87
- 2087-88
- 2088-89
- 2089-90
- 2090-91
- 2091-92
- 2092-93
- 2093-94
- 2094-95
- 2095-96
- 2096-97
- 2097-98
- 2098-99
- 2099-00
- 2100-01
- 2101-02
- 2102-03
- 2103-04
- 2104-05
- 2105-06
- 2106-07
- 2107-08
- 2108-09
- 2109-10
- 2110-11
- 2111-12
- 2112-13
- 2113-14
- 2114-15
- 2115-16
- 2116-17
- 2117-18
- 2118-19
- 2119-20
- 2120-21
- 2121-22
- 2122-23
- 2123-24
- 2124-25
- 2125-26
- 2126-27
- 2127-28
- 2128-29
- 2129-30
- 2130-31
- 2131-32
- 2132-33
- 2133-34
- 2134-35
- 2135-36
- 2136-37
- 2137-38
- 2138-39
- 2139-40
- 2140-41
- 2141-42
- 2142-43
- 2143-44
- 2144-45
- 2145-46
- 2146-47
- 2147-48
- 2148-49
- 2149-50
- 2150-51
- 2151-52
- 2152-53
- 2153-54
- 2154-55
- 2155-56
- 2156-57
- 2157-58
- 2158-59
- 2159-60
- 2160-61
- 2161-62
- 2162-63
- 2163-64
- 2164-65
- 2165-66
- 2166-67
- 2167-68
- 2168-69
- 2169-70
- 2170-71
- 2171-72
- 2172-73
- 2173-74
- 2174-75
- 2175-76
- 2176-77
- 2177-78
- 2178-79
- 2179-80
- 2180-81
- 2181-82
- 2182-83
- 2183-84
- 2184-85
- 2185-86
- 2186-87
- 2187-88
- 2188-89
- 2189-90
- 2190-91
- 2191-92
- 2192-93
- 2193-94
- 2194-95
- 2195-96
- 2196-97
- 2197-98
- 2198-99
- 2199-00
- 2200-01
- 2201-02
- 2202-03
- 2203-04
- 2204-05
- 2205-06
- 2206-07
- 2207-08
- 2208-09
- 2209-10
- 2210-11
- 2211-12
- 2212-13
- 2213-14
- 2214-15
- 2215-16
- 2216-17
- 2217-18
- 2218-19
- 2219-20
- 2220-21
- 2221-22
- 2222-23
- 2223-24
- 2224-25
- 2225-26
- 2226-27
- 2227-28
- 2228-29
- 2229-30
- 2230-31
- 2231-32
- 2232-33
- 2233-34
- 2234-35
- 2235-36
- 2236-37
- 2237-38
- 2238-39
- 2239-40
- 2240-41
- 2241-42
- 2242-43
- 2243-44
- 2244-45
- 2245-46
- 2246-47
- 2247-48
- 2248-49
- 2249-50
- 2250-51
- 2251-52
- 2252-53
- 2253-54
- 2254-55
- 2255-56
- 2256-57
- 2257-58
- 2258-59
- 2259-60
- 2260-61
- 2261-62
- 2262-63
- 2263-64
- 2264-65
- 2265-66
- 2266-67
- 2267-68
- 2268-69
- 2269-70
- 2270-71
- 2271-72
- 2272-73
- 2273-74
- 2274-75
- 2275-76
- 2276-77
- 2277-78
- 2278-79
- 2279-80
- 2280-81
- 2281-82
- 2282-83
- 2283-84
- 2284-85
- 2285-86
- 2286-87
- 2287-88
- 2288-89
- 2289-90
- 2290-91
- 2291-92
- 2292-93
- 2293-94
- 2294-95
- 2295-96
- 2296-97
- 2297-98
- 2298-99
- 2299-00
- 2300-01
- 2301-02
- 2302-03
- 2303-04
- 2304-05
- 2305-06
- 2306-07
- 2307-08
- 2308-09
- 2309-10
- 2310-11
- 2311-12
- 2312-13
- 2313-14
- 2314-15
- 2315-16
- 2316-17
- 2317-18
- 2318-19
- 2319-20
- 2320-21
- 2321-22
- 2322-23
- 2323-24
- 2324-25
- 2325-26
- 2326-27
- 2327-28
- 2328-29
- 2329-30
- 2330-31
- 2331-32
- 2332-33
- 2333-34
- 2334-35
- 2335-36
- 2336-37
- 2337-38
- 2338-39
- 2339-40
- 2340-41
- 2341-42
- 2342-43
- 2343-44
- 2344-45
- 2345-46
- 2346-47
- 2347-48
- 2348-49
- 2349-50
- 2350-51
- 2351-52
- 2352-53
- 2353-54
- 2354-55
- 2355-56
- 2356-57
- 2357-58
- 2358-59
- 2359-60
- 2360-61
- 2361-62
- 2362-63
- 2363-64
- 2364-65
- 2365-66
- 2366-67
- 2367-68
- 2368-69
- 2369-70
- 2370-71
- 2371-72
- 2372-73
- 2373-74
- 2374-75
- 2375-76
- 2376-77
- 2377-78
- 2378-79
- 2379-80
- 2380-81
- 2381-82
- 2382-83
- 2383-84
- 2384-85
- 2385-86
- 2386-87
- 2387-88
- 2388-89
- 2389-90
- 2390-91
- 2391-92
- 2392-93
- 2393-94
- 2394-95
- 2395-96
- 2396-97
- 2397-98
- 2398-99
- 2399-00
- 2400-01
- 2401-02
- 2402-03
- 2403-04
- 2404-05
- 2405-06
- 2406-07
- 2407-08
- 2408-09
- 2409-10
- 2410-11
- 2411-12
- 2412-13
- 2413-14
- 2414-15
- 2415-16
- 2416-17
- 2417-18
- 2418-19
- 2419-20
- 2420-21
- 2421-22
- 2422-23
- 2423-24
- 2424-25
- 2425-26
- 2426-27
- 2427-28
- 2428-29
- 2429-30
- 2430-31
- 2431-32
- 2432-33
- 2433-34
- 2434-35
- 2435-36
- 2436-37
- 2437-38
- 2438-39
- 2439-40
- 2440-41
- 2441-42
- 2442-43
- 2443-44
- 2444-45
- 2445-46
- 2446-47
- 2447-48
- 2448-49
- 2449-50
- 2450-51
- 2451-52
- 2452-53
- 2453-54
- 2454-55
- 2455-56
- 2456-57
- 2457-58
- 2458-59
- 2459-60
- 2460-61
- 2461-62
- 2462-63
- 2463-64
- 2464-65
- 2465-66
- 2466-67
- 2467-68
- 2468-69
- 2469-70
- 2470-71
- 2471-72
- 2472-73
- 2473-74
- 2474-75
- 2475-76
- 2476-77
- 2477-78
- 2478-79
- 2479-80
- 2480-81
- 2481-82
- 2482-83
- 2483-84
- 2484-85
- 2485-86
- 2486-87
- 2487-88
- 2488-89
- 2489-90
- 2490-91
- 2491-92
- 2492-93
- 2493-94
- 2494-95
- 2495-96
- 2496-97
- 2497-98
- 2498-99
- 2499-00
- 2500-01
- 2501-02
- 2502-03
- 2503-04
- 2504-05
- 2505-06
- 2506-07
- 2507-08
- 2508-09
- 2509-10
- 2510-11
- 2511-12
- 2512-13
- 2513-14
- 2514-15
- 2515-16
- 2516-17
- 2517-18
- 2518-19
- 2519-20
- 2520-21
- 2521-22
- 2522-23
- 2523-24
- 2524-25
- 2525-26
- 2526-27
- 2527-28
- 2528-29
- 2529-30
- 2530-31
- 2531-32
- 2532-33
- 2533-34
- 2534-35
- 2535-36
- 2536-37
- 2537-38
- 2538-39
- 2539-40
- 2540-41
- 2541-42
- 2542-43
- 2543-44
- 2544-45
- 2545-46
- 2546-47
- 2547-48
- 2548-49
- 2549-50
- 2550-51
- 2551-52
- 2552-53
- 2553-54
- 2554-55
- 2555-56
- 2556-57
- 2557-58
- 2558-59
- 2559-60
- 2560-61
- 2561-62
- 2562-63
- 2563-64
- 2564-65
- 2565-66
- 2566-67
- 2567-68
- 2568-69
- 2569-70
- 2570-71
- 2571-72
- 2572-73
- 2573-74
- 2574-75
- 2575-76
- 2576-77
- 2577-78
- 2578-79
- 2579-80
- 2580-81
- 2581-82
- 2582-83
- 2583-84
- 2584-85
- 2585-86
- 2586-87
- 2587-88
- 2588-89
- 2589-90
- 2590-91
- 2591-92
- 2592-93
- 2593-94
- 2594-95
- 2595-96
- 2596-97
- 2597-98
- 2598-99
- 2599-00
- 2600-01
- 2601-02
- 2602-03
- 2603-04
- 2604-05
- 2605-06
- 2606-07
- 2607-08
- 2608-09
- 2609-10
- 2610-11
- 2611-12
- 2612-13
- 2613-14
- 2614-15
- 2615-16
- 2616-17
- 2617-18
- 2618-19
- 2619-20
- 2620-21
- 2621-22
- 2622-23
- 2623-24
- 2624-25
- 2625-26
- 2626-27
- 2627-28
- 2628-29
- 2629-30
- 2630-31
- 2631-32
- 2632-33
- 2633-34
- 2634-35
- 2635-36
- 2636-37
- 2637-38
- 2638-39
- 2639-40
- 2640-41
- 2641-42
- 2642-43
- 2643-44
- 2644-45
- 2645-46
- 2646-47
- 2647-48
- 2648-49
- 2649-50
- 2650-51
- 2651-52
- 2652-53
- 2653-54
- 2654-55
- 2655-56
- 2656-57
- 2657-58
- 2658-59
- 2659-60
- 2660-61
- 2661-62
- 2662-63
- 2663-64
- 2664-65
- 2665-66
- 2666-67
- 2667-68
- 2668-69
- 2669-70
- 2670-71
- 2671-72
- 2672-73
- 2673-74
- 2674-75
- 2675-76
- 2676-77
- 2677-78
- 2678-79
- 2679-80
- 2680-81
- 2681-82
- 2682-83
- 2683-84
- 2684-85
- 2685-86
- 2686-87
- 2687-88
- 2688-89
- 2689-90
- 2690-91
- 2691-92
- 2692-93
- 2693-94
- 2694-95
- 2695-96
- 2696-97
- 2697-98
- 2698-99
- 2699-00
- 2700-01
- 2701-02
- 2702-03
- 2703-04
- 2704-05
- 2705-06
- 2706-07
- 2707-08
- 2708-09
- 2709-10
- 2710-11
- 2711-12
- 2712-13
- 2713-14
- 2714-15
- 2715-16
- 2716-17
- 2717-18
- 2718-19
- 2719-20
- 2720-21
- 2721-22
- 2722-23
- 2723-24
- 2724-25
- 2725-26
- 2726-27
- 2727-28
- 2728-29
- 2729-30
- 2730-31
- 2731-32
- 2732-33
- 2733-34
- 2734-35
- 2735-36
- 2736-37
- 2737-38
- 2738-39
- 2739-40
- 2740-41
- 2741-42
- 2742-43
- 2743-44
- 2744-45
- 2745-46
- 2746-47
- 2747-48
- 2748-49
- 2749-50
- 2750-51
- 2751-52
- 2752-53
- 2753-54
- 2754-55
- 2755-56
- 2756-57
- 2757-58
- 2758-59
- 2759-60
- 2760-61
- 2761-62
- 2762-63
- 2763-64
- 2764-65
- 2765-66
- 2766-67
- 2767-68
- 2768-69
- 2769-70
- 2770-71
- 2771-72
- 2772-73
- 2773-74
- 2774-75
- 2775-76
- 2776-77
- 2777-78
- 2778-79
- 2779-80
- 2780-81
- 2781-82
- 2782-83
- 2783-84
- 2784-85
- 2785-86
- 2786-87
- 2787-88
- 2788-89
- 2789-90
- 2790-91
- 2791-92
- 2792-93
- 2793-94
- 2794-95
- 2795-96
- 2796-97
- 2797-98
- 2798-99
- 2799-00
- 2800-01
- 2801-02
- 2802-03
- 2803-04
- 2804-05
- 2805-06
- 2806-07
- 2807-08
- 2808-09
- 2809-10
- 2810-11
- 2811-12
- 2812-13
- 2813-14
- 2814-15
- 2815-16
- 2816-17
- 2817-18
- 2818-19
- 2819-20
- 2820-21
- 2821-22
- 2822-23
- 2823-24
- 2824-25
- 2825-26
- 2826-27
- 2827-28
- 2828-29
- 2829-30
- 2830-31
- 2831-32
- 2832-33
- 2833-34
- 2834-35
- 2835-36
- 2836-37
- 2837-38
- 2838-39
- 2839-40
- 2840-41
- 2841-42
- 2842-43
- 2843-44
- 2844-45
- 2845-46
- 2846-47
- 2847-48
- 2848-49
- 2849-50
- 2850-51
- 2851-52
- 2852-53
- 2853-54
- 2854-55
- 2855-56
- 2856-57
- 2857-58
- 2858-59
- 2859-60
- 2860-61
- 2861-62
- 2862-63
- 2863-64
- 2864-65
- 2865-66
- 2866-67
- 2867-68
- 2868-69
- 2869-70
- 2870-71
- 2871-72
- 2872-73
- 2873-74
- 2874-75
- 2875-76
- 2876-77
- 2877-78
- 2878-79
- 2879-80
- 2880-81
- 2881-82
- 2882-83
- 2883-84
- 2884-85
- 2885-86
- 2886-87
- 2887-88
- 2888-89
- 2889-90
- 2890-91
- 2891-92
- 2892-93
- 2893-94
- 2894-95
- 2895-96
- 2896-97
- 2897-98
- 2898-99
- 2899-00
- 2900-01
- 2901-02
- 2902-03
- 2903-04
- 2904-05
- 2905-06
- 2906-07
- 2907-08
- 2908-09
- 2909-10
- 2910-11
- 2911-12
- 2912-13
- 2913-14
- 2914-15
- 2915-16
- 2916-17
- 2917-18
- 2918-19
- 2919-20
- 2920-21
- 2921-22
- 2922-23
- 2923-24
- 2924-25
- 2925-26
- 2926-27
- 2927-28
- 2928-29
- 2929-30
- 2930-31
- 2931-32
- 2932-33
- 2933-34
- 2934-35
- 2935-36
- 2936-37
- 2937-38
- 2938-39
- 2939-40
- 2940-41
- 2941-42

५१ नगरीय-निकायेषु १३९४ प्रत्याशिनः निर्वाचन-क्षेत्रे, ३२ नामाङ्कनानि निरस्तानि



शहरी निकाय चुनाव
नामांकन

हिमसंस्कृतवार्ता: - शिमला। हिमाचलप्रदेशस्य ५१ नगरीय-निकायेषु निर्वाचनाय १३९४ अभ्यर्थिनः निर्वाचन-प्राङ्गणे सन्ति। नामाङ्कन-पत्राणां परीक्षणार्जनस्य (Scrutiny) अनन्तरं विविध-कारणैः ३२ नामाङ्कनानि निरस्तानि (रद्द) जातानि। अधुना १३९४ अभ्यर्थिनः निर्वाचन-युद्धे अवशिष्टाः। निर्वाचनाय आहत्य १४२६ नामाङ्कन-पत्राणि पञ्जीकृतानि आसन्। नामाङ्कन-प्रत्याहरणस्य (नाम वापसी) अन्तिमा तिथिः ६ मई निर्णीता अस्ति। काङ्गड़ा-जनपदे सर्वाधिकं २६९ नामाङ्कन-पत्राणि प्राप्तानि, येषु १ निरस्तं जातं, २६८ अभ्यर्थिनः च क्षेत्रे सन्ति। मण्डी-जनपदे २१४ नामाङ्कन-पत्रेषु ९ निरस्तानि, २०५ प्रत्याशिनः च अवशिष्टाः। शिमला-जनपदे १५८ पत्रेषु ३ निरस्तानि, येन १५५

अभ्यर्थिनः निर्वाचनं लडिष्यन्ति। कुल्लू-जनपदे १२५ पत्रेषु १० नामाङ्कनानि निरस्तानि, यदा तु चम्बा-जनपदे सर्वाणि ११३ पत्राणि योग्यानि प्राप्तानि। एवमेव बिलासिपुरे ९६ पत्रेषु ३, हमीरपुरे ५५ पत्रेषु २, किन्नौर-सिरमौर-जनपदयोः ९२-९२ पत्रेषु ३-३ तथा ऊना-जनपदे १३७ पत्रेषु १ नामाङ्कनं निरस्तं जातम्। सर्वेषु जनपदेषु अन्वेषण-प्रक्रियायाः अनन्तरं अभ्यर्थिनां अन्तिमा सूची प्रायः स्पष्टा अस्ति।

नारकण्डा-रोहडू-क्षेत्रयोः प्रथमदिने केनापि नामाङ्कनं न कृतम्

नगर-परिषद्-रोहडू तथा नगर-पञ्चायत-नारकण्डा इत्येतयोः कृते नामाङ्कन-पत्र-प्रस्तुतेः प्रथमदिवसः अपि अत्रैव आसीत्। तथापि, प्रथमदिने रोहडू-नगरस्य ४ सङ्ख्यक-वार्ड-क्षेत्रे नारकण्डा-क्षेत्रे च किमपि नामाङ्कन-पत्रं न प्राप्तम्। राज्य-निर्वाचन-आयोगस्य सचिवेन सुरजीतसिंहराठौर-महोदयेन उक्तं यत् नामाङ्कन-प्रत्याहरणस्य अनन्तरं अभ्यर्थिभ्यः निर्वाचन-चिह्नानि (Symbols) आबण्टितानि भविष्यन्ति।

जिला-निर्वाचन-अधिकारिभिः मतदातृ-सूच्यः प्रसारिताः, 'ऑनलाइन' माध्यमेन अपि द्रष्टुं शक्यन्ति



हिमसंस्कृतवार्ता: - कार्यालयीयः प्रतिनिधिः। जिला-निर्वाचन-अधिकारिभिः पञ्चायतानां मतदातृ-सूच्यः प्रसारिताः, येन निर्वाचन-प्रक्रियायाः पारदर्शितायै सुव्यवस्थायै च महत्त्वपूर्णः पदक्षेपः स्वीकृतः। जनाः 'ऑनलाइन' (Online) माध्यमेन सूच्येषु स्वनामानि द्रष्टुं शक्यन्ति। सूच्यः प्रसारात् परं अधुना राजनैतिक-दलानि प्रत्याशिनः च स्व-स्तरे रणनीतिं निर्मातुं रताः सन्ति। अस्मिन् अन्तराले राज्य-निर्वाचन-आयोगेन निर्वाचन-आचारसंहितायाः पालनाय कठोराः निर्देशः निर्गताः। सम्बद्ध-आरक्षक-केन्द्रेषु सभानां उपवेशनानां च सूचना दानं अनिवार्यम् राज्य-निर्वाचन-आयोगेन सर्वेभ्यः राजनैतिक-दलेभ्यः कस्यापि प्रकारस्य सभानां, उपवेशनानां च आयोजनात् पूर्वम् सम्बद्ध-आरक्षक-प्रशासनस्य (Police Administration) अस्य सूचना दानं अनिवार्यं कृतम्। अस्य उद्देश्यं विधि-व्यवस्थायाः रक्षणं कस्यापि अव्यवस्थायाः रोधनं च अस्ति। निर्देशेषु एतत् अपि उक्तं यत् निर्वाचन-प्रक्रियायां निष्पक्षता पारदर्शिता च सर्वेषां उत्तरदायित्वं वर्तते। प्रशासनेन एतेषां नियमानां उल्लङ्घने कठोर-दण्डस्य सचेतना दत्ता।

मुख्यालयं विहाय न गमिष्यन्ति कर्मचारिणः

आयोगेन सर्लकारीय-कर्मचारिभ्यः अपि स्पष्टाः निर्देशाः दत्ताः यत् निर्वाचन-प्रक्रियायाः समये अनुमतिं विना ते मुख्यालयं न त्यक्ष्यन्ति। एषा व्यवस्था निर्वाचन-कार्ये नियुक्तानां कर्मचारिणां उपलब्धतां सुनिश्चितं कर्तुं कृता अस्ति। एतेन सह, सर्लकारीय-कर्मचारिणां गृहेषु कस्यापि प्रकारस्य राजनैतिक-सभायाः उपवेशनस्य वा आयोजने पूर्णतया प्रतिबन्धः कृतः अस्ति।

जनगणना-२०२७ निमित्तं 'क्षेत्रप्रशिक्षक' जनानां त्रिदिवसीय- प्रशिक्षण-कार्यक्रमः आरब्धः, अधिकारिभ्यः तकनीकी-निर्देशाः दत्ताः

हिमसंस्कृतवार्ता: - सोलनम्। सोलन-मण्डलस्य उपायुक्तेन मनमोहन-शर्मणा उक्तं यत् जनगणना-कार्यं त्रुटिरहितं कर्तुं प्रशिक्षण-कार्यक्रमाः महत्त्वपूर्णा भूमिकां निर्वहन्ति।



enumeration) प्रारभ्यते। अस्यां प्रगतौ जनः स्वयं 'वेब-पोर्टल' www.census.gov.in@se माध्यमेन स्वविवरणं प्रदातुं शक्नोति। अस्मिन् शिबिरे राजकीय-महाविद्यालय-नालागढ़स्य 'मास्टर-ट्रेनर' डॉ. नरेशः तथा राजकीय-महाविद्यालय-सोलनस्य रूपा-कैथ-महोदया च प्रशिक्षणं दत्तवन्तौ। अस्मिन् अवसरे अतिरिक्त-उपायुक्तः एवं जनगणना-नोडल-अधिकारी राहुल-जैनः, प्रभारी कोमल-गर्गः, प्रियंका-भारद्वाजः च उपस्थिताः आसन्।

भाजपा-पक्षाय 'भाग्यशाली-तारक-प्रचारकत्वेन सिद्धाः भवन्ति सुख्युः - जयरामठाकुरः



हिमसंस्कृतवार्ता: - लध्वीकाशी मण्डी।

मुख्यमन्त्री सुख्यु-महोदयः अधुना भाजपा-पक्षाय 'भाग्यशाली-तारक-प्रचारकत्वेन सिद्धः भवति, यतः सः यत्र यत्र प्रचाराय गच्छति, तत्र काङ्ग्रेस-पक्षस्य पराजयः निश्चितः भवति। अधुना न केवलं प्रदेशः, अपितु सम्पूर्णः देशः जानाति यत् मुख्यमन्त्री सुख्युः केवलं मिथ्यायाः (असत्यस्य) आश्रयं गृह्णाति। एताः वार्ताः मङ्गळवासरे मण्ड्यां पूर्व-मुख्यमन्त्रिणा प्रतिपक्ष-नेत्रा च जयरामठाकुरेण नगर-निगम-निर्वाचन-कार्यालयानाम् उद्घाटनानन्तरं कथिताः। तेन उक्तं यत् पश्चिमबङ्गाले यत्र मुख्यमन्त्रिणा प्रचारः कृतः, तत्र काङ्ग्रेस-प्रत्याशिनः केवलं ६५० मतानि प्राप्तानि, तस्य प्रतिभूतिः (जमानत) अपि जप्तिः जाता। 'ईवीएम' (EVM) विषये काङ्ग्रेस-पक्षम् आक्षिपन् प्रतिपक्ष-नेत्रा उक्तं यत् येन 'ईवीएम'

यन्त्रेण हिमाचले काङ्ग्रेस-सर्वकारः निर्मितः, अद्य अन्येषु राज्येषु पराजये सति तस्यैव दोषारोपणं क्रियते। काङ्ग्रेस-पक्षस्य एषा रीतिः जाता यत् यदि जयः भवेत् तर्हि सम्यक्, यदि पराजयः भवेत् तर्हि दोषः 'ईवीएम' उपरि क्षिपन्तु। जयरामेण उक्तं यत् देशे 'ईवीएम' माध्यमेन निर्वाचनानि पूर्ण-पारदर्शितया सम्पन्नानि अभवन्।

अधिकारिणां विरुद्धं कार्यविधि-स्थाने सर्वकारः तेभ्यः पारितोषिकं पदोन्नतिं च यच्छति

जयरामठाकुरेण आरक्षक-भर्ती-प्रश्नपत्र-गोपन (Paper Leak) प्रकरणस्य उल्लेखं कुर्वन् आरोपः कृतः यत् सीबीआई (CBI) संस्थायाः प्रतिवेदने (Report) आगते सत्यपि, दोषी-अधिकारिणां विरुद्धं कार्यविधि-स्थाने सर्वकारः तेभ्यः पारितोषिकं पदोन्नतिं च यच्छति। तेन प्रश्नः पृष्ठः यत् मुख्यमन्त्रिणः का ईदृशी विवशता अस्ति यत् सः अनुचित-कार्यं कुर्वतः जनान् रक्षति। पूर्व-मुख्यमन्त्रिणा उक्तं यत् "मम काले यदा प्रश्नपत्र-गोपनस्य वार्ता सम्मुखम् आगता, मया तत्कालं परीक्षा निरस्ता कृत्वा प्रकरणं 'सीबीआई' संस्थायाः कृते दत्तम्। २०२४ तमे वर्षे 'सीबीआई' प्रतिवेदनं प्राप्तम् अस्ति, यस्मिन् कार्यविधि-अनुशंसा कृता, किन्तु सर्वकारः प्रतिवेदनं सार्वजनिकं कर्तुं साहसं न करोति।"

मनमोहन-शर्मा अत्र 'जनगणना-२०२७' इत्यस्य कृते आयोजितस्य त्रिदिवसीय-प्रशिक्षण-कार्यक्रमस्य अध्यक्षतां कुर्वन् आसीत्। मनमोहन-शर्मणा जनगणना-२०२७ निमित्तं सोलन-मण्डले नियुक्तेभ्यः ३८ क्षेत्र-प्रशिक्षकेभ्यः (फील्ड-ट्रेनर) जनेभ्यः तकनीकी-व्यावहारिक-पक्षेषु विस्तृता सूचना आवश्यकताः निर्देशाः च दत्ताः। तेन उक्तं यत् सर्वे प्रशिक्षकाः एतं त्रिदिवसीय-प्रशिक्षणं सम्यक् अवगच्छन्तु येन जनगणना-काले

कापि काठिन्यं न भवेत्। उपायुक्तेन स्पष्टीकृतं यत् जनगणना-सम्बद्धा सूचना पूर्णतया गोपनीया रक्षिष्यते। सः मण्डलवासिनः प्रार्थितवान् यत् जनगणना-अधिकारिभ्यः स्वकीयां सत्यां पूर्णां च सूचनां दत्त्वा सहयोगं कुर्वन्तु, येन कार्यं सटीकं भवेत्। तेन अधिकारिणः निष्ठापूर्वकं प्रामाणिकतया च एतत् कार्यं कर्तुं समाहृताः। उपायुक्तेन उक्तं यत् जनगणना-२०२७ मध्ये प्रथमवारं 'स्व-गणना-पद्धतिः' (Self-

enumeration) प्रारभ्यते। अस्यां प्रगतौ जनः स्वयं 'वेब-पोर्टल' www.census.gov.in@se माध्यमेन स्वविवरणं प्रदातुं शक्नोति। अस्मिन् शिबिरे राजकीय-महाविद्यालय-नालागढ़स्य 'मास्टर-ट्रेनर' डॉ. नरेशः तथा राजकीय-महाविद्यालय-सोलनस्य रूपा-कैथ-महोदया च प्रशिक्षणं दत्तवन्तौ। अस्मिन् अवसरे अतिरिक्त-उपायुक्तः एवं जनगणना-नोडल-अधिकारी राहुल-जैनः, प्रभारी कोमल-गर्गः, प्रियंका-भारद्वाजः च उपस्थिताः आसन्।

एतदेव कारणं यत् संस्कृतभाषा उपेक्षायाः कारणभूताः शनैः शनैः पतनमार्गं गच्छति।



पण्डित नागेन्द्रकुमारपाण्डेयः, (पटना बिहार)

मानवसभ्यतायाः इतिहासे भारतं सर्वथा समृद्धदेशः आसीत्। सभ्यतायाः विषये, संस्कृतेः विषये, विकासस्य अन्येषां धाराणां विषये च भारतं अत्यन्तं विकसितदेशरूपेण प्रसिद्धम्। भारतं जगतः अद्वितीयः देशः अस्ति, यत्र सर्वेषां धर्माणां अनुयायिनः स्वकीयया व्यक्तिगतस्वतन्त्रतया जीवनं यापयन्ति। आधुनिके भारतसंघे प्रायः पञ्चशतानि पञ्चाशच्चाधिकानि राज्यानि, प्रान्ताः, रियासताः वा आसन्। तेषां सर्वेषां स्वकीयाः भाषाः आसन्। किन्तु तस्मिन् काले संस्कृतभाषा सर्वाधिकप्रतिष्ठिता आसीत्। राजकवयः, राजानः, मन्त्रिणश्च संस्कृतभाषाम् अवदन्। एतेषु राज्येषु बौद्ध-, जैन-, सनातन-, शैव-, वैष्णव-, भागवत-सम्प्रदायाः प्रमुखाः आसन्। आधुनिके स्वतन्त्रभारते अनुमानतः १६८४ अधिकाः भाषाः भाष्यन्ते। संविधानानुसारं द्वाविंशतिः भाषाः मान्यतां प्राप्ताः, तासु संस्कृतभाषा अपि अस्ति।

अस्मिन् लेखे अहं संस्कृतभाषायाः विकासं पतनं च विवेचयामि। संस्कृतभाषा जगतः प्राचीनतमासु भाषासु एका समृद्धभाषा अस्ति। किन्तु स्वातन्त्र्योत्तरकाले संस्कृतस्य यथा पतनं जातम्, तत् आश्चर्यजनकम्। अनेकैः साहित्यस्रोतसः ज्ञायते यत् संस्कृतस्य विकासः सप्तसिन्धुप्रदेशे—सिन्धु, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा, आधुनिकपाकिस्तानस्य खैबरपख्तूनवा-प्रदेशस्य स्वात्-जनपदे—अभवत्। अन्ये जैन-बौद्धग्रन्थाः वदन्ति यत् संस्कृतस्य विकासः सीरिया-मिश्रदेशयोः जातः। एतत् विवादस्य विषयः अस्ति, किन्तु संस्कृतभाषायाः प्राचीनः इतिहासः अत्यन्तं गौरवपूर्णः अस्ति। केचन इतिहासकाराः मन्यन्ते यत् संस्कृतस्य कालक्रमः १५०० ईसापूर्वात् ५०० ईसापूर्वपर्यन्तम्। संस्कृतविद्वांसः तु वदन्ति यत् संस्कृतभाषायाः विकासः त्रिषु चरणेषु अभवत्—प्राचीनवैदिककालः (६००-८०० ईसापूर्वम्) अस्मिन् काले वेदाः, पुराणानि, महाभारतम्, रामायणम्, उपनिषदः च रचितानि।

मध्यकालः (८०० ईसापूर्वात् १००० ईस्वीपर्यन्तम्)

अस्मिन् काले संस्कृतस्य गद्यपद्यसाहित्यस्य महान् विकासः अभवत्। रघुवंशम्, मेघदूतम्, अभिज्ञानशाकुन्तलम्, मालविकाग्निमित्रम् इत्यादयः ग्रन्थाः रचिताः। कल्हणस्य राजतरङ्गिणी अपि अस्मिन् काले प्रसिद्धा अभवत्।

आधुनिकसंस्कृतकालः (१००० ईस्वीतः २०२५ पर्यन्तम्)

अस्मिन् काले उत्तररामचरितम्, विक्रमोर्वशीयम्, मुद्राराक्षसम् इत्यादयः बहवः ग्रन्थाः रचिताः। संस्कृतभाषायाः प्रमुखवाक्यानि—“वसुधैव कुटुम्बकम्”, “सर्वे भवन्तु सुखिनः, सर्वे सन्तु निरामयाः” इत्यादीनि। एतेषु वाक्येषु विश्वबन्धुत्वस्य सन्देशः दृश्यते। बौद्धधर्मे अपि “बुद्धं शरणं गच्छामि” इति वाक्यं प्रसिद्धम्। जैनसम्प्रदायस्य भगवतीसूत्रम् इत्यादयः ग्रन्थाः अपि संस्कृते रचिताः।

संस्कृतभाषायाः पतनस्य कारणानि

संस्कृतभाषा देववाणी इति प्रसिद्धा। हिन्दुधर्मस्य, बौद्धधर्मस्य, जैनधर्मस्य च अनेकाः धार्मिकग्रन्थाः अस्यां भाषायां सुरक्षिताः सन्ति। प्रथमं कारणम्—११९२ ईस्वी संवत्सरे तराइनद्वितीययुद्धे पृथ्वीराजचौहानस्य पराजयानन्तरं दिल्लीप्रदेशे सल्तनत-शासनस्य स्थापना अभवत्। ततः परं अनेकानि राज्यानि मुस्लिमसुल्तानानां आधिपत्ये आगतानि। तैः संस्कृतभाषा उपेक्षिता, अरबी-तुर्कीभाषे राजकार्येषु स्वीकृते। ततः १५२६ ईस्वी संवत्सरे बाबरेंण मुगलसाम्राज्यस्य स्थापना कृता। मुगलाः फारसीभाषां राजभाषारूपेण स्वीकृतवन्तः। एवं संस्कृतभाषा पुनः उपेक्षिता अभवत्। १७५७ संवत्सरे प्लासी-युद्धे अङ्ग्रेजानां विजयः अभवत्। तैः आङ्ग्लभाषा प्रतिष्ठापिता। १८३५ संवत्सरे English Education Act इति अधिनियमेन संस्कृताय पुनः आघातः जातः।

तथापि संस्कृतोन्नत्यर्थं केचन प्रयासाः अपि अभवन्। १७९१ संवत्सरे राजस्थानप्रदेशे संस्कृतविद्यालयानां, महाविद्यालयानां, विश्वविद्यालयानां च स्थापना कृता। अन्यत् कारणम्—संस्कृतभाषा व्यवसायस्य भाषा न कृता, न च अर्थोपार्जनस्य सह योजिता।

स्वातन्त्र्योत्तरकाले १९६८ राष्ट्रीयशिक्षानीत्यां त्रिभाषासूत्रं स्वीकृतम्—हिन्दी, आङ्ग्लभाषा, क्षेत्रीयभाषा च। तृतीयभाषारूपेण छात्रैः प्रायः स्वभाषाः स्वीकृताः, संस्कृतं तु केवलं अधिकाङ्क्यप्राप्तये विषयः अभवत्। अद्य संस्कृताध्यापनं प्रायः हिन्दी-आङ्ग्ल-क्षेत्रीयभाषाभिः क्रियते, यतः संस्कृतशिक्षकाणां घोरभावः अस्ति। २०१९ संवत्सरे भारतसरकारेण उक्तं यत् २५,००० संस्कृतशिक्षकाः अपेक्षिताः।

भारतस्य जनसंख्या ११० कोट्यधिकाः अस्ति, किन्तु संस्कृतभाषां केवलं अल्पसंख्या एव वदति। एषा भारतस्य महती विडम्बना अस्ति। भारतदेशे संस्कृतभाषां कतिपयैः ब्राह्मणानां भाषा इति मन्यन्ते, अतः सा उपेक्षिता। ब्राह्मणसमाजेन अपि प्रचारप्रसाराय पर्याप्ताः प्रयासाः न कृताः। किन्तु अमेरिका, जर्मनी, सूरीनाम, फिजी, इङ्ग्लैण्ड, ऑस्ट्रेलिया, इटली इत्यादिषु देशेषु अद्यापि संस्कृतविषये अनुसन्धानं प्रवर्तते। संस्कृतं सुगमशिक्षणीयभाषा अस्ति। वैज्ञानिकाः अपि मन्यन्ते यत् संस्कृतं वैज्ञानिकभाषा अस्ति, या सङ्गणकैः सह अपि संप्रेषणे उपयोगी भवितुम् अर्हति।

"वन्दे संस्कृतमातरम्" "लौकिकन्यायकोशः" "अग्र्यान्यायः"

अग्रिम् आहार इति कोऽपि वदति चेत् कस्मिन् अपि पात्रे अग्रिम् आहार इति वक्तव्यं न भवति। यः अग्रिम् आनयति सः योग्यं पात्रं अन्विष्य तस्मिन् अग्रिं स्थापयित्वा एव आनयति। एषा अपेक्षा आदेशस्य दातुः पालयितुः च भवति। एवम् आधारं विना आधेयं स्थातुं न प्रभवति इति द्योतयितुम् अस्य न्यायस्य प्रयोगः भवति।

डा वर्णा प्रकाश टोणगांवकर पुणे/ महाराष्ट्रम्



हिमसंस्कृतवार्ताः, ईदरधीरजः, हैदराबादः

वार्ता-संवादः

नन्दिनीः नमो वः। अद्यतने वार्ता-कार्यक्रमे स्वागतं करोमि। नमस्ते काव्ये।
काव्याः नमस्ते नन्दिनि। का अस्ति अद्यतनी प्रथमा विचित्रा वार्ता?

नन्दिनीः एकस्मिन् विवाहे पण्य-प्रेषकाय मूल्य-रूपेण मुद्रामाला दत्ता। तेन प्रेषकेण महती प्रसन्नता अनुभूता।

काव्याः एतत् तु हास्यकरम्। सः पुरुषः धनवान् जातः। अन्यत् शृणु, कोलम्बिया-देशस्य अशीतिं जलहस्तिनः भारतं प्रति आनेतुं वनतारा-संस्थया निश्चयः कृतः।

नन्दिनीः विशालकायानां पशूनां सुदीर्घं प्रवासं चिन्तयित्वा अहम् आश्चर्यं प्राप्तवती अस्मि। पशूनां विषये अपरा वार्ता अस्ति-रेलयान-चालकेन मार्गं स्थितां महिषीं रक्षितुं शीघ्रं यानं स्थगितम्।

काव्याः तस्य चालकस्य कारुण्यं प्रशंसनीयम्। अन्ते, बेङ्गलूरु-नगरे एकेन तन्त्रज्ञेन उक्तं यत् एकाकिवासः कार्य-सिद्धौ वरदानम् इति।

नन्दिनीः सत्यम्, एकान्तता चिन्तनशक्तिं वर्धयति। धन्यवादः काव्ये।

तमिलनाडु-राज्ये 'टी.वी.के.' (TVK) पक्षस्य सर्वकार-निर्माणस्य सज्जता; विजयः सप्तम-दिनाङ्के मुख्यमन्त्रीरूपेण शपथं ग्रहीष्यति

तमिलनाडु-विधानसभा-निर्वाचनस्य परिणामेषु अभिनेतुः राजनेता जातः विजय-थलपति महोदयस्य 'तमिलगा वेद्री कजगम' (TVK) पक्षः बहुमतस्य 118 अङ्कतः न्यून-आसनेषु सत्यपि सर्वकार-निर्माणस्य सज्जतायां संलग्नः अस्ति। मङ्गलवासरे आयोजितायां टी.वी.के. पक्षस्य नवनिर्वाचित-विधायकानां सभायां विजयः सर्वसम्मत्या स्वनेता चितः। अनया घोषणया सह तस्य मुख्यमन्त्री-भवनस्य मार्गः पूर्णतया प्रशस्तः जातः। सूत्रानुसारं, विजयः 'मई' मासस्य सप्तम-दिनाङ्के (७ मई) तमिलनाडु-राज्यस्य नूतन-मुख्यमन्त्रीरूपेण शपथं ग्रहीतुं शक्नोति। विजयस्य दलेन स्वस्य प्रथमे एव निर्वाचने ऐतिहासिकं

प्रदर्शनं कुर्वता 108 आसनानि जितानि। यद्यपि, बहुमताय आवश्यक-अङ्कतः (118) दलम् अधुनापि 10 आसनं दूरे वर्तते। गठबन्धनस्य प्रयासः अस्मिन् अन्तराले, बहुमतस्य आवश्यक-संख्यां प्राप्तुं टी.वी.के. पक्षस्य मुख्य-दलेन (core team) 'द्विविड मुनेत्र कषगम' (DMK) गठबन्धनस्य सम्भावित-सहयोगिभिः, विशेषतः कांग्रेसेन, विदुथलाई चिरथैगल कार्थी (VCK) तथा च वामपन्थी-दलैः सह वार्ता आरब्धा। आङ्किक-दृष्ट्या भविष्यत् इति आशा अस्ति। 'एआईएडीएमके' (AIADMK) दलस्य भूतपूर्व-वरिष्ठनेतारं के. सेंगोतैयान महोदयम् विहाय, विजयस्य पक्षस्य प्रायः सर्वे विजयी-प्रत्याशिनः प्रथमवारं विधायकाः जाताः सन्ति।

विधायकानां सुदृढं गठबन्धनं भवति, यत् विजयं बहुमत-सङ्ख्यायाः उपरि नेतुं पर्याप्तम् अस्ति। कांग्रेसाय मन्त्रिमण्डले द्वे पदे मिलितुं शक्नुतः प्रस्तावितानुसारं कांग्रेसाय मन्त्रिमण्डले द्वे विभागौ (portfolios) लब्धौ सम्भावना वर्तते, यदा तु अन्येभ्यः लघु-सहयोगि-दलेभ्यः एकैकं पदं प्रदास्यते। टी.वी.के. पक्षेण स्वसहयोगिभ्यः चतुर्णां तः षण्णां (४-६) पर्यन्तं मन्त्रि-पदानां वितरणं भविष्यत् इति आशा अस्ति। 'एआईएडीएमके' (AIADMK) दलस्य भूतपूर्व-वरिष्ठनेतारं के. सेंगोतैयान महोदयम् विहाय, विजयस्य पक्षस्य प्रायः सर्वे विजयी-प्रत्याशिनः प्रथमवारं विधायकाः जाताः सन्ति।